Sale of adulterated milk in district Mandi, Himachal Pradesh

श्रीमती बिमला कश्यप सूद (हिमाचल प्रदेश)ः माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश में जो डिटर्जेंट और यूरिया युक्त नकली दूध बेचा जा रहा है, इस ओर दिलाना चाहती हूँ। यह खुलासा आई.आई.टी. मंडी द्वारा किया गया। ऐसे दूध के नियमित सेवन से किडनी और लीवर डैमेज होते हैं। यह दूध मिल्क पाउडर से बनाया जाता है, उसमें 20 प्रतिशत डिटर्जेंट और 10 प्रतिशत यूरिया मिलाया जाता है।

महोदय, जिला मंडी में अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव मनाया जाता है। आई.आई.टी मंडी द्वारा इस महोत्सव पर एक प्रदर्शनी लगा कर लोगों को जाग्रत किया गया, जिसमें नकली दूध पानी में मिल्क पाउडर डिटर्जेंट और यूरिया मिलाने से दूध गाढ़ा होता है, दुर्गंध भी नहीं आती और दूध खराब भी नहीं होता। आई.आई.टी मंडी के प्रो. डा. रमना ठाकुर और डा. पी. सी. रवि ने जून, 2014 में मंडी शहर के दस भागों से सैंपल लिए थे और इसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी थी, परन्तु जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. एन.के. भारद्वाज का कहना है कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है।

अतः मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि अगर हिमाचल प्रदेश सरकार कुछ नहीं कर रही, तो डिटर्जेंट और यूरिया-युक्त नकली दूध, जिसके सेवन से किडनी व लीवर खराब होने का खतरा रहता है, हिमाचल प्रदेश सरकार से केन्द्र सरकार आग्रह करे और नकली दूध बेचने वालों के खिलाफ न केवल हिमाचल प्रदेश में बल्कि पूरे देश में इस पर सख्त कदम उठाये जाएं, जिससे हजारों लाखों लोगों को अपनी जान न गंवानी पड़े और समय रहते इसके प्रति उचित कदम उठाए जाएं। धन्यवाद।

Diversion of funds allocated under SC/ST Sub-Plan

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश)ः उपसभापति जी, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए आपका धन्यवाद। मेरा विषय अनुसूचित जाति/जनजाति के आर्थिक उत्थान से संबंधित है। दिनांक 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने कहा था कि आज हमें राजनीतिक अधिकारों की बराबरी तो मिली है, लेकिन आर्थिक और सामाजिक गैर-बराबरी हम लोगों के लिए आज भी चुनौती है और आगे आने वाले समय में आगे आने वाली सरकारों के लिए भी यह चुनौती होगी, इसलिए जितनी जल्दी यह गैर-बराबरी खत्म हो, उतना ठीक है, अन्यथा यह संवैधानिक व्यवस्था को भंग हो जाएगी । वैसे काफी तरक्की हुई है, स्थितियों में बदलाव हुआ है, लेकिन आज भी कुछ जगह वैसे ही स्थिति है, उसके लिए प्रयास किए गए। जब 1979 में आदरणीय डा. मनमोहन सिंह जी योजना आयोग के सदस्य सचिव थे, उस समय निर्णय लिया गया था और इनके हस्ताक्षर से आदेश जारी हुए थे कि शेड्युल्ड कास्ट सब-प्लान, शेड्युल्ड कास्ट स्पेशल कंपोनेंट प्लान और ट्राइबल सब-प्लान प्रारंभ किए जाएं। इन प्लान्स के माध्यम से यह व्यवस्था की गई कि इनकी जितनी आबादी है, उस परसेंटेज के हिसाब से बजट को अलग रखा जाएगा और वह बजट इन्हीं के लिए खर्च होगा। यह व्यवस्था चलती रही। राज्य सरकारें हों या केन्द्र सरकार हो, अगर इनसे पूछा जाए, तो कहते हैं कि हम तो उस प्रतिशत के हिसाब से आउटले भी देते हैं और खर्च भी करते हैं, मगर वास्तव में उन योजनाओं की समीक्षा की जाए, तो पता लगेगा कि सामान्य योजनाओं के ऊपर पैसा खर्च हो रहा है और इन वर्गों तक जो लाभ पहुंचना

चाहिए, वह लाभ नहीं पहुंच रहा है। अभी आप केंद्रीय बजट का यह डॉक्युमेंट देख लीजिए, इसमें भी पिछले साल इसी सरकार के द्वारा जो स्पेशल कंपोनेंट प्लान और ट्राइबल सब-प्लान में आउटले दिया गया था, उसको भी घटा दिया गया है। सोशल जस्टिस एमपावरमेंट मिनिस्ट्री के लिए जो बजट होना चाहिए, उसे भी कम कर दिया गया है। अन्य जगहों पर सामान्य योजनाओं पर पैसा खर्च हो रहा है। इसको देखते हुए आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में एक कानून बना है। हमारी मांग रही है कि इन योजनाओं को सही चलाने के लिए केन्द्र सरकार भी कानून बनाए और मैं यह चाहूंगा कि इस पर मंत्री जी यहां अपना वक्तव्य दें। धन्यवाद।

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with this Zero Hour Mention.

DR. T. SUBBARAMI REDDY (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with this Zero Hour Mention.

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Telangana): Sir, I associate myself with this Zero Hour Mention.

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with this Mention.

श्री शरद यादव (बिहार) **:** सर, मैं इस विषय से एसोसिएट करता हूँ।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार)**:** सर, मैं इस विषय से एसोसिएट करता हूँ।

श्री मोहम्मद अली खान (आन्ध्र प्रदेश)**:** सर, मैं इस विषय से एसोसिएट करता हूँ।

†شری محمد علی خان (آندھراپردیش) : سر، میں اس وِشے سے ایسوسی ایٹ کرتا ہوں۔

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with this Zero Hour Mention.

Demand to constitute Cauvery Management Board and Cauvery Water Regulation Committee

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (Tamil Nadu): Sir, the cultural unity universal poet of India, Subrahmanya Bharati, has savoured the beauty of each State of India. He depicts the unity of India by unity of States

Sindhu nadiyen misai nilavinilay
Sera nan nattilam pengaludaney
Sundara Telunginil paatisaithu,
Thonigal ooti vilai yadivaruvom

† Transliteration in Urdu Script.